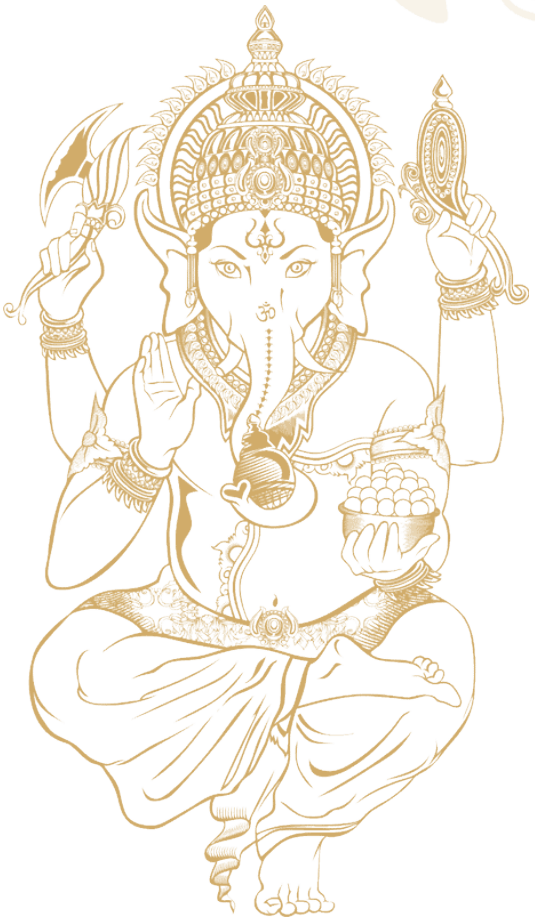

Anshul

Aishwarya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119129302

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
30-01/07/1995 :	जन्म तिथि	: 26/02/1996
शुक्र-शनिवार :	दिन	: सोमवार
घंटे 02:30:00 :	जन्म समय	: 13:55:00 घंटे
घटी 52:40:54 :	जन्म समय(घटी)	: 18:37:16 घटी
India :	देश	: India
Bhilai :	स्थान	: Raipur
21:13:00 उत्तर :	अक्षांश	: 21:16:00 उत्तर
81:26:00 पूर्व :	रेखांश	: 81:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:04:16 :	स्थानिक संस्कार	: -00:03:12 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:25:38 :	सूर्योदय	: 06:27:03
18:49:54 :	सूर्यास्त	: 18:05:41
23:47:49 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:48:19

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 0वर्ष 5मा 21दि	01:07:33	वृष	लग्न	मिथु	18:03:34	चन्द्र 6वर्ष 8मा 13दि
शुक्र	14:48:23	मिथु	सूर्य	कुंभ	13:13:15	राहु
22/12/2019	16:19:55	कर्क	चंद्र	वृष	14:23:47	09/11/2009
22/12/2039	24:30:02	सिंह	मंगल	कुंभ	14:46:35	09/11/2027
शुक्र 22/04/2023	23:02:10	वृष	बुध	मक	20:44:58	राहु 22/07/2012
सूर्य 22/04/2024	13:19:23	वृश्चि व	गुरु	धनु	17:18:51	गुरु 16/12/2014
चन्द्र 21/12/2025	00:49:21	मिथु	शुक्र	मीन	26:18:45	शनि 22/10/2017
मंगल 20/02/2027	00:55:49	मीन	शनि	मीन	01:09:27	बुध 10/05/2020
राहु 20/02/2030	09:21:33	तुला व	राहु व	कन्या	24:11:37	केतु 29/05/2021
गुरु 21/10/2032	09:21:33	मेष व	केतु व	मीन	24:11:37	शुक्र 28/05/2024
शनि 22/12/2035	05:30:35	मक व	हर्ष	मक	08:45:04	सूर्य 22/04/2025
बुध 22/10/2038	00:48:00	मक व	नेप	मक	02:54:27	चन्द्र 22/10/2026
केतु 22/12/2039	04:24:43	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	09:17:21	मंगल 09/11/2027

लग्न-चलित

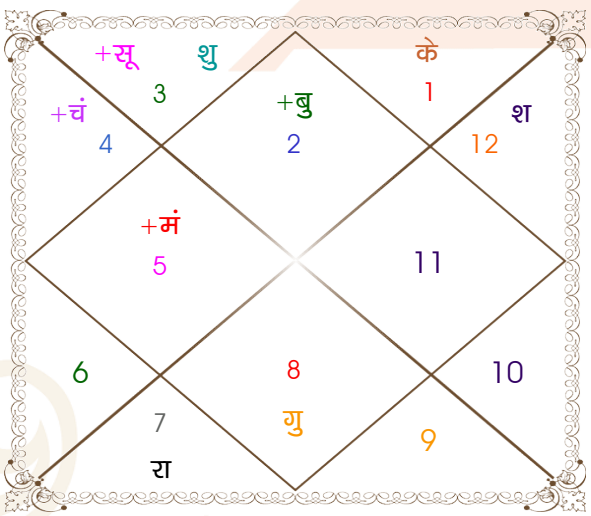

लग्न-चलित

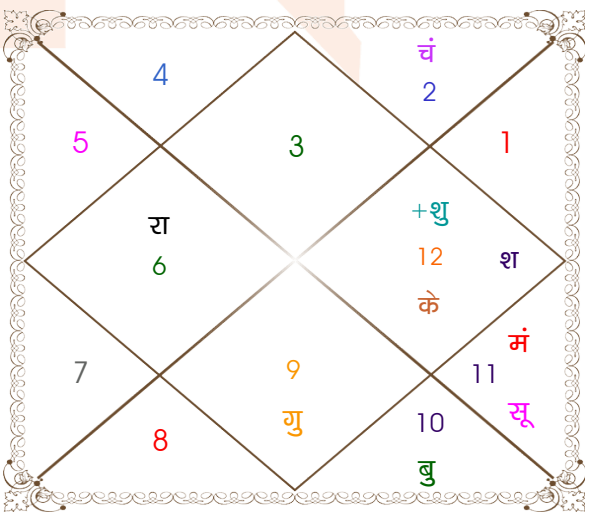

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Member
All India Federation Of Astrologers Society
Professor colony Raipur Chhattisgarh
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

Anshul का वर्ग श्वान है तथा Aishwarya का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Anshul और Aishwarya का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Anshul मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Aishwarya मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Aishwarya कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Anshul तथा Aishwarya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Member
All India Federation Of Astrologers Society
Professor colony Raipur Chhattisgarh
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com